रेटिनोब्लास्टोमा

- बच्चों की आंखों का कैंसर

जागरूकता के अभाव में
रेटिनोब्लास्टोमा के मामले बढ़ रहे हैं।
भारत में हर साल लगभग 2000 केस ऐसे पाये जाते हैं
जिनमे 5 साल से कम उम्र के बच्चो को

रेटिनोब्लास्टोमा (Retinoblastoma)

बच्चों की आंखों का कैंसर

से प्रभावित पाया गया है।

रेटिनोब्लास्टोमा के लक्षण

- आँख पर रौशनी पड़ने पर पुतली का गुलाबी या सफेद दिखाई देना।
- आँख में दर्द महसूस होना होना।
- आँख में अधिक लालपन आ जाना।
- दिखाई देने में समस्या का होना।
- आँखों का बाहर उभर आना।
- आँखों से खून आना।
- दोनों आँखों की पुतली का रंग अलग अलग हो जाना।

कैसे पता करें

रेटिनोब्लास्टोमा का पता अभिभावक बच्चे की दोनों आंखों का मध्य रोशनी में फ्लैश से फोटो खींच कर लगा सकते हैं। अगर इसमें एक आंख लाल व दूसरी सफेद आए तो समझ जाइए कि बच्चा इससे पीड़ित है।
रेटिनोब्लास्टोमा का ट्यूमर बच्चों की आंखों में तीन वर्ष की आयु से पहले पनप जाता है। क्लीनिक में बच्चे को बेहोश कर आंखों की जांच की जाती है।

समय से पता चल जाये तो बच्चे की दोनों आंखों व दृष्टि को बचाया जा सकता है।
रेटिनोब्लास्टोमा के 100 में से 90 फीसदी मामले ठीक हो जाते हैं।

iCareinfo
www.icareinfo.in
to inform, educate and advocate issues about eye

antar.drishti

www.icareinfo.in | www.antardrishti.org

National Retinoblastoma Foundation

Helpline Number:

08500452020 | 08500552020